No. of Printed Pages : 3

MHD–21

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.डी.-21 : मीरा का विशेष अध्ययन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) गिरधर गास्याँ सती न होस्यां,
मन मोछ्यो घण नामी।
जेठ बहू को नाहिं राणाजी,
थे सेवक म्हे स्वामी॥

(ख) विरह की मारी मैं बन-बन डोलूँ,
प्राण तजूँ करवत ल्यूँ कासी॥

मीरा के प्रभु हरि अबिनासी

तुम मेरे ठाकुर मैं तेरी दासी ॥

(ग) नैणां मोरे बाण पड़ी, सोई मोहि दरस दिखाई।

चित चढ़ी मेरे माधुरी मूरत, उर बिच आन अड़ी ॥

कैसे प्राण पिया बिन राखूँ, जीवण मूर जड़ी ॥

कबकी ठाड़ी पंथ निहारूँ, अपने भवन खड़ी ॥

मीरा प्रभु के हाथ बिकानी, लोग कहें बिगड़ी ॥

(घ) पगे घुँघरू बाँध मीरां नाची रे।

मैं सपने तो नारायण की, हो गई आपकी दासी रे।

विष का प्याला राणाजी ने भेज्या,

पीवत मीरा हाँसी रे ॥

लोक कहे मीरां भई बाबरी, बाप कहे कुलनासी रे ॥

मीरां के प्रभु गिरधरनागर, हरिचरणां री दासी रे ॥

2. गुजरात में मीरा के प्रवास के कारणों पर प्रकाश डालिए। 10

3. मीरा की भक्ति अन्य कृष्णभक्त कवियों से कैसे भिन्न है? 10

4. हिन्दी साहित्य के इतिहास ग्रंथों में वर्णित 'मीरा' के स्वरूप का विश्लेषण कीजिए। 10

5. मीरा के युग के साहित्य एवं संगीत की परम्पराओं का उल्लेख कीजिए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) मीरा का बचपन

(ख) गुजरात में भक्ति आंदोलन

(ग) कृष्णलीला की रसिक अनुभूति

(घ) मीरा काव्य में लोकोत्सव

× × × × ×